



नागराज और शांगो

नागराज
का एक
पोस्टर
मुफ्त



संजय गुप्ता पेश करते हैं।

नागराज और शांगो

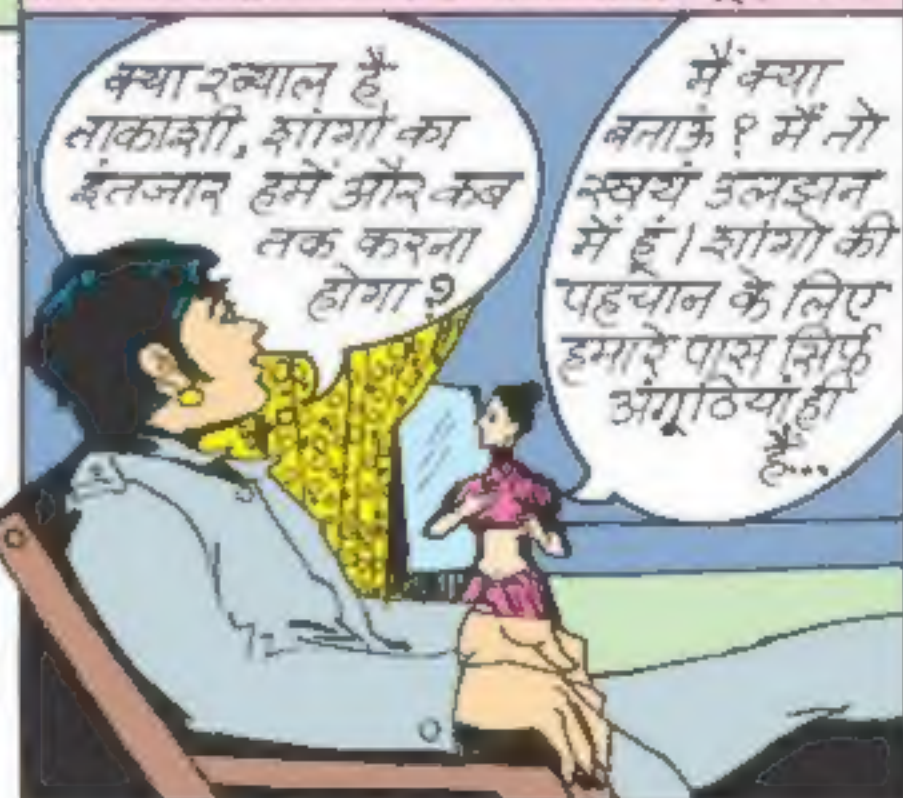
लेखक : परशुराम शर्मा चित्रांकन : संजय अष्टपुत्रे सम्पादक : मनीष गुप्ता

एशियन क्रक चांगो के गिरोह के स्वरवार लोगों ने सिल्वर लैण्ड के राज परिवार का कत्ल कर दिया था। सिर्फ राजकुमारी ताकाशी ही उनके चंगुल से बचकर भागने में सफल हो सकी थी। वह हांगकांग में अपने पिता के मित्र मास्टर सुजूकी की सहायता लेने पहुंची - किन्तु फंस गई चांगो के गिरोह के लोगों के बीच।

नागराज की मदद से किसी तरह वह मास्टर सुजूकी तक पहुंचने में सफल हो गई। सुजूकी ने उन दोनों को एक जैसी अंगूठी देकर वापस सिल्वर लैण्ड भेजा। जहां वैसी ही तीसरी अंगूठी देकर चांगो के जबरदस्त प्रतिद्वन्दी कोरियन फाईटर शांगो को उनकी मदद के लिए वह भेजने वाला था। मगर शांगो को अंगूठी देने से पहले ही मास्टर सुजूकी चांगो के गिरोह के लोगों से टक्कर लेता हुआ बुरी तरह घायल हो गया। शांगो जब मास्टर सुजूकी से मिलने पहुंचा तो तीसरी अंगूठी, उसे देने इस सुजूकी ने दम तोड़ दिया और गलत फहमी का शिकार होकर शांगो नागराज का दुश्मन बन गया। अब उसे तलाश थी नागराज की - -

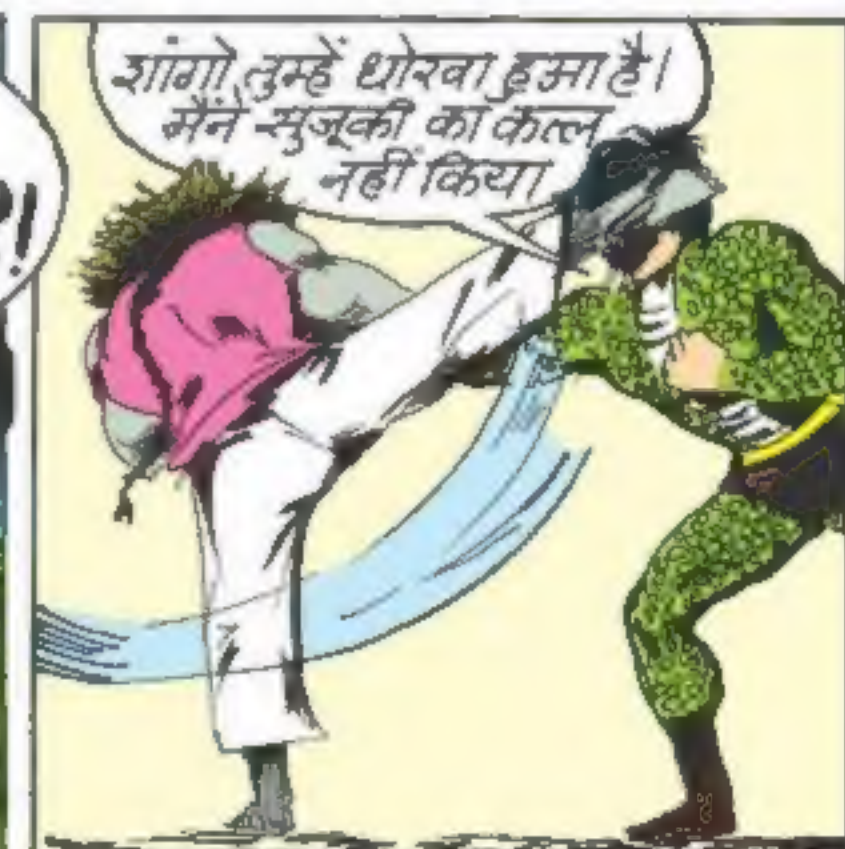
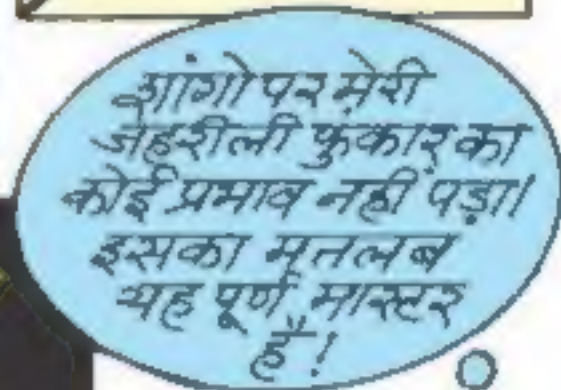
यह सब आपने "राज कॉमिक्स में पूर्व प्रकाशित कॉमिक "नागराज की हांगकांग यात्रा में पढ़ा और अब आगे पढ़ें -

नागराज हट नम्बर पांच में मौजूद था।



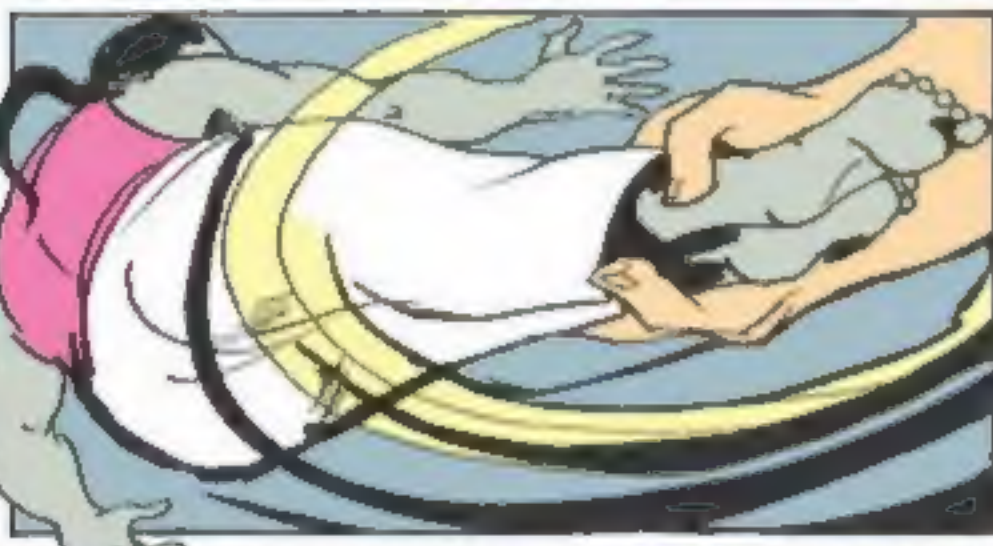














गोदी का मालिक जंबालू नामक शैतान को लेकर आया। उसने हमें उठा-उठाकर डेक पर फेंक दिया...



मैं अभी यह सलारव तोड़ कर तुम्हें आजाद कराता हूँ।





शांगो का पीछा करते हुए नागराज गोदी तक पहुंच चुका था।



तुम सब लोग
भाग जाओ...

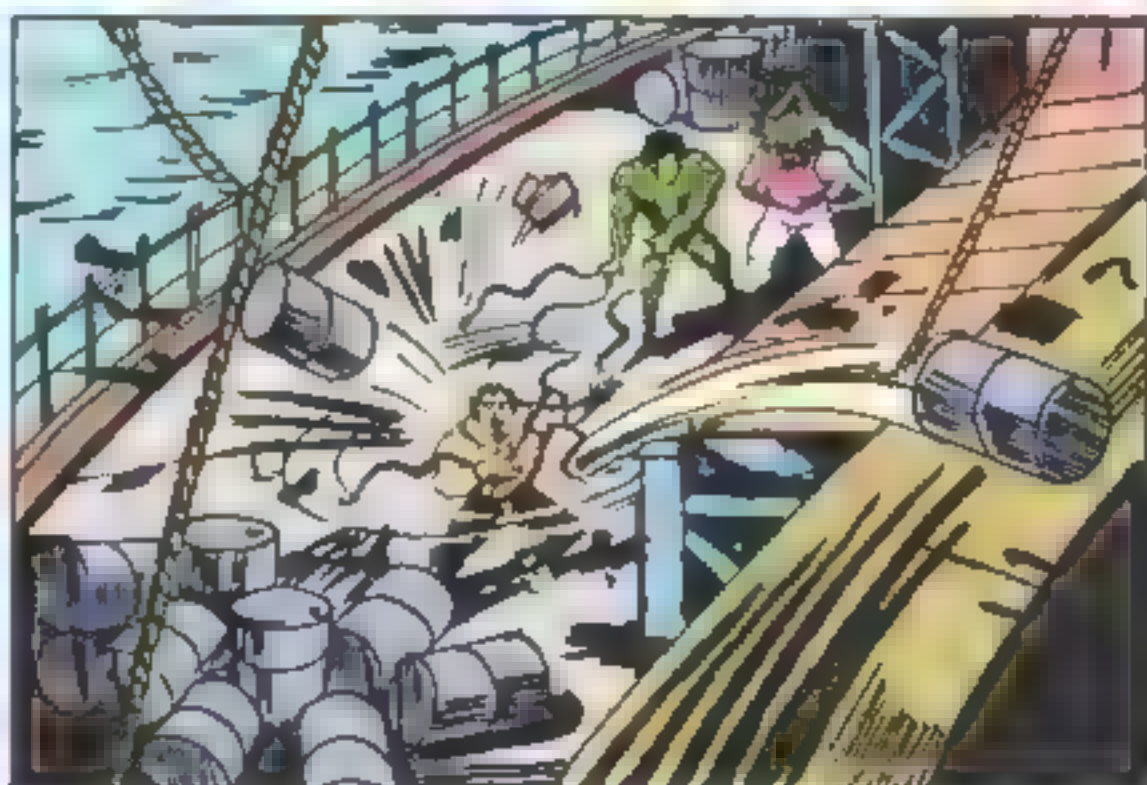
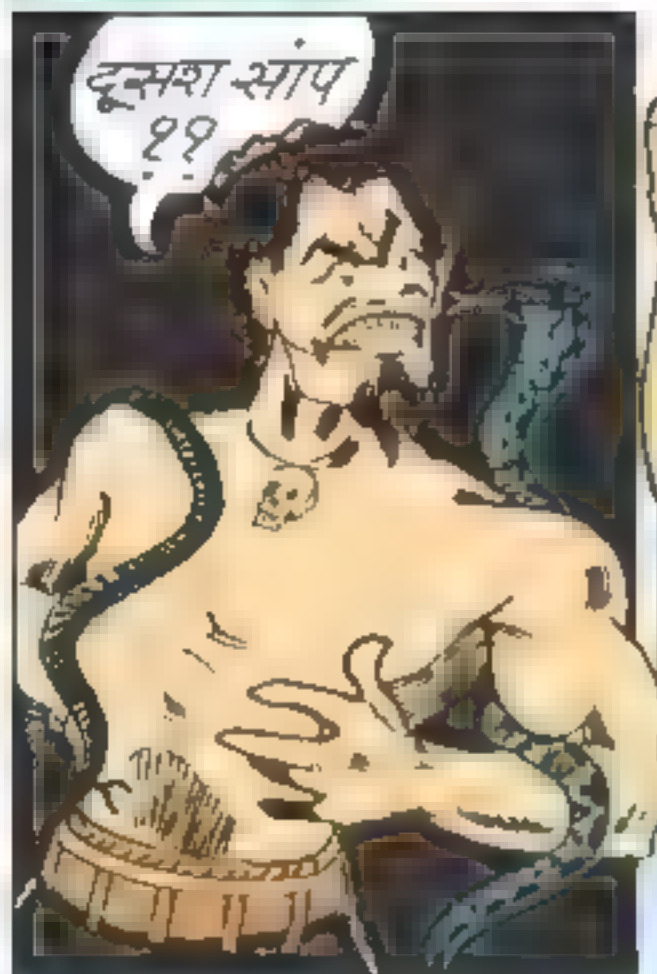
कम्बरवन ने मुझे
रस्सियों के बेहद मजबूत
जाल में फांस दिया।

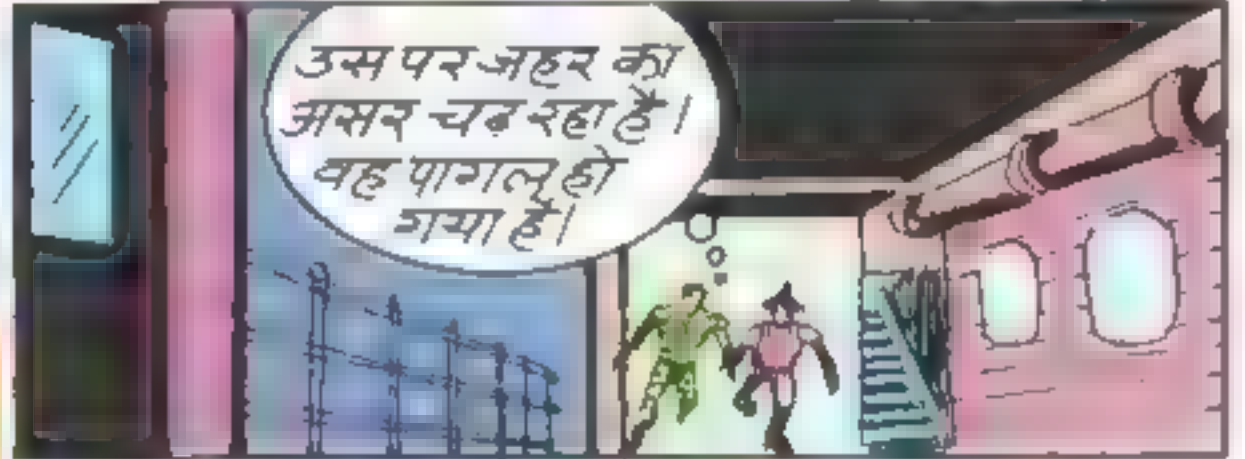
यहां पर
खौफनाक जंग
के आसार
नजर आ
रहे हैं।

अब मैं तेरा श्वन
पिऊंगा... तू ही है वह
शांगो - जिसने चांगो
बोंस की नाक में दम
कर रखा
था।

तभी-

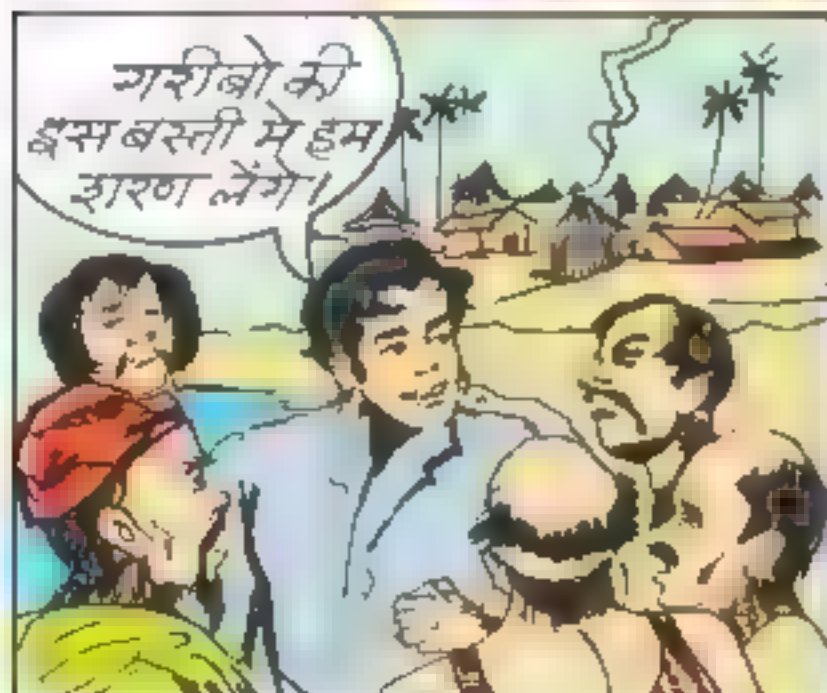
ओह
सांप!?







गोदी के बच्चे खूबसे मजदूरों के साथ डांगो और नागराज चल पड़े।



नागराज बस्ती के सरदार के पास पहुंचा।





यह शांगो है -
जिसका मैंने तुमसे
जिक्र किया था।

ओह! कोरियन फाइटर
शांगो! तुम्हारा दोस्त...
वही, जिसका तुम
इंतजार कर
रहे थे।



गोहिमा
गोहिमा

गोहिमा
गोहिमा

गोहिमा का अर्थ है - नमस्कार।



फिर नागराज ने शांगो को पूरा किस्सा
सुनाया।

मुझसे
बड़ी भूल हुई नागराज!
सुजूकी ने मुझे अंगूठी
ही और मैं यह समझा
कि यह कानिल को
पहचान है।

जवाकी
सुजूकी ने हम
नीनों को पहचान
के लिए अंगूठियां
दी थीं।



यहां आकर हमने इस बस्ती को
सिल्वर लेण्ड की स्वतंत्रता संग्राम
का केन्द्र बनाया है। हमारे सहयोगी
इसी जगह से सम्पर्क
बनाए हुए हैं।



सुबह -

मालूम हुआ
है कि चांगो हांगकांग
से सबकुछ समेट
कर यहां आ
गया है।

इसका
मनलब मास्टर
सुजूकी के
हत्यारे वही
लोग हैं...



...क्योंकि चांगो जानता है कि सुजूकी को मौत के बाद हांगकांग में क्या तूफान आएगा।...

सुजूकी के शिष्य छोड़ेंगे नहीं चांगो को।



हमें एक ही रात में सारा काम समाप्त करना है शांगो! दो जगह एक साथ हमले होंगे- एक मोर्चा तुम संभालोगे और दूसरा मैं।

मैं तैयार हूँ!

चांगो ने सिल्वर लेण्ड स्थित अपने हेडक्वार्टर में अपने विशेष साथियों की सभा बुलाई।



सिल्वर लेण्ड में नागराज और शांगो दोनों मौजूद हैं।

आप हमें आदेश दें- हम अपनी जान पर खेल जाएंगे।



नागराज के सम्बंध में बहुत सी जानकारी हमें उपलब्ध हो रही है। यह वही शरन्स है जिसने बुलडांग का स्वात्मा किया था।



हमने सांपों से बचने का तरीका खोज लिया है।

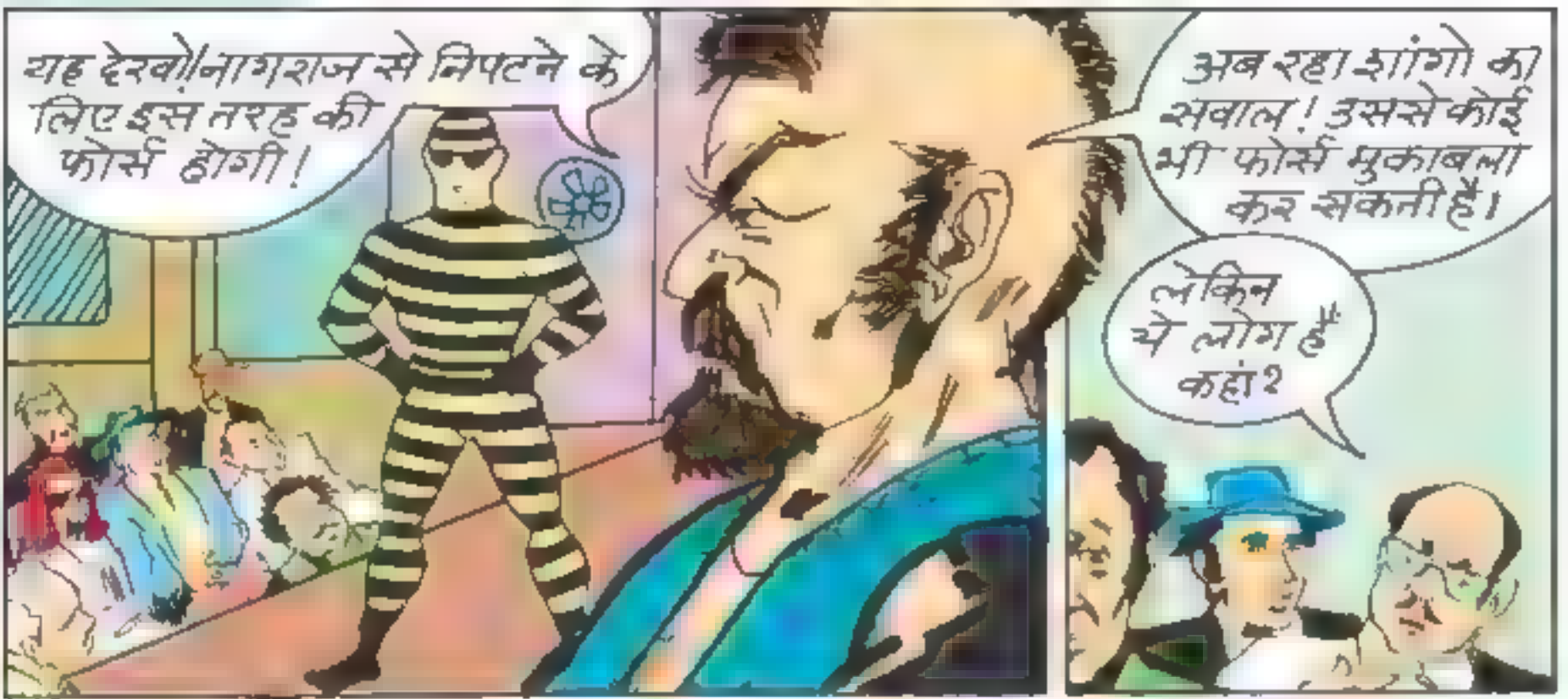
सांपों से... क्या! क्या वह कोई सपेरा है?

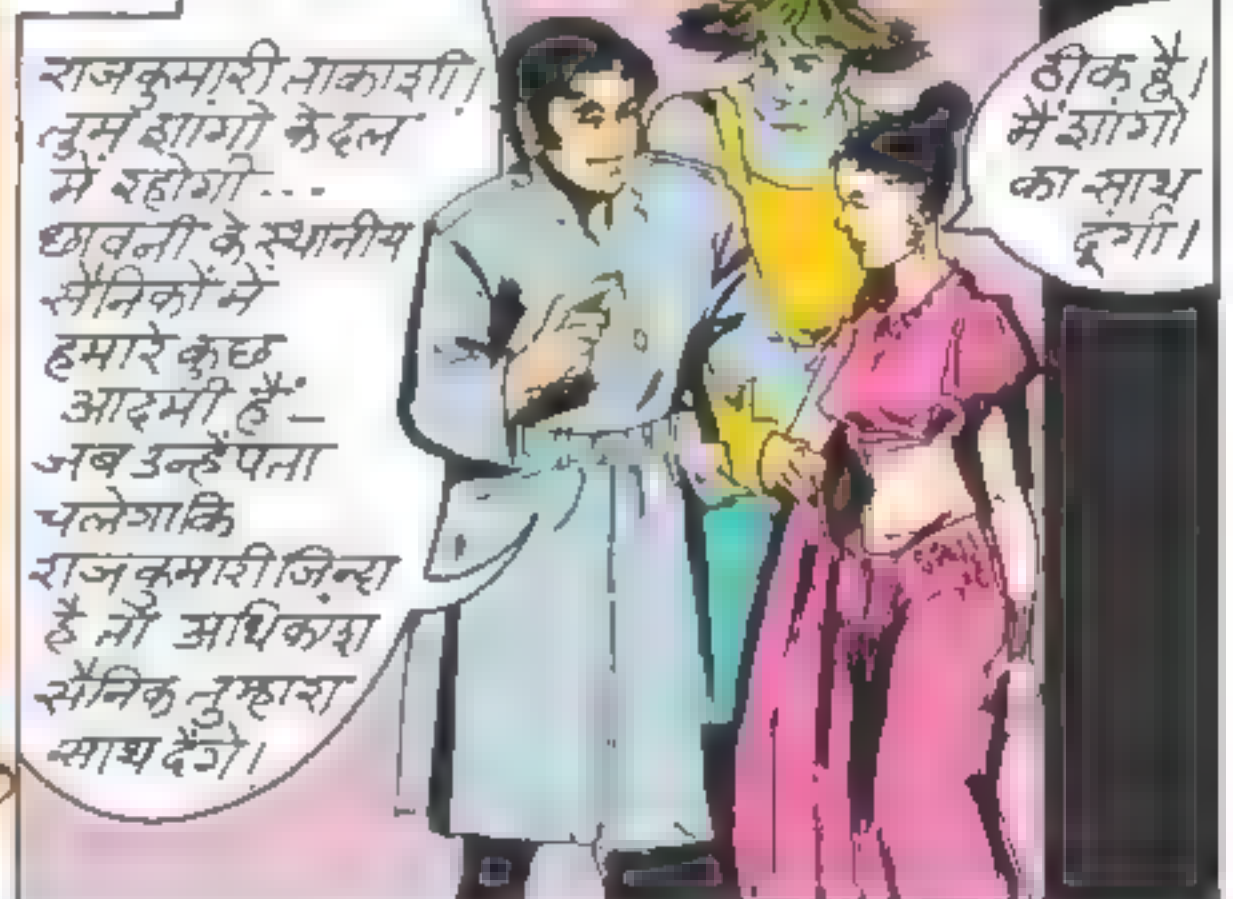


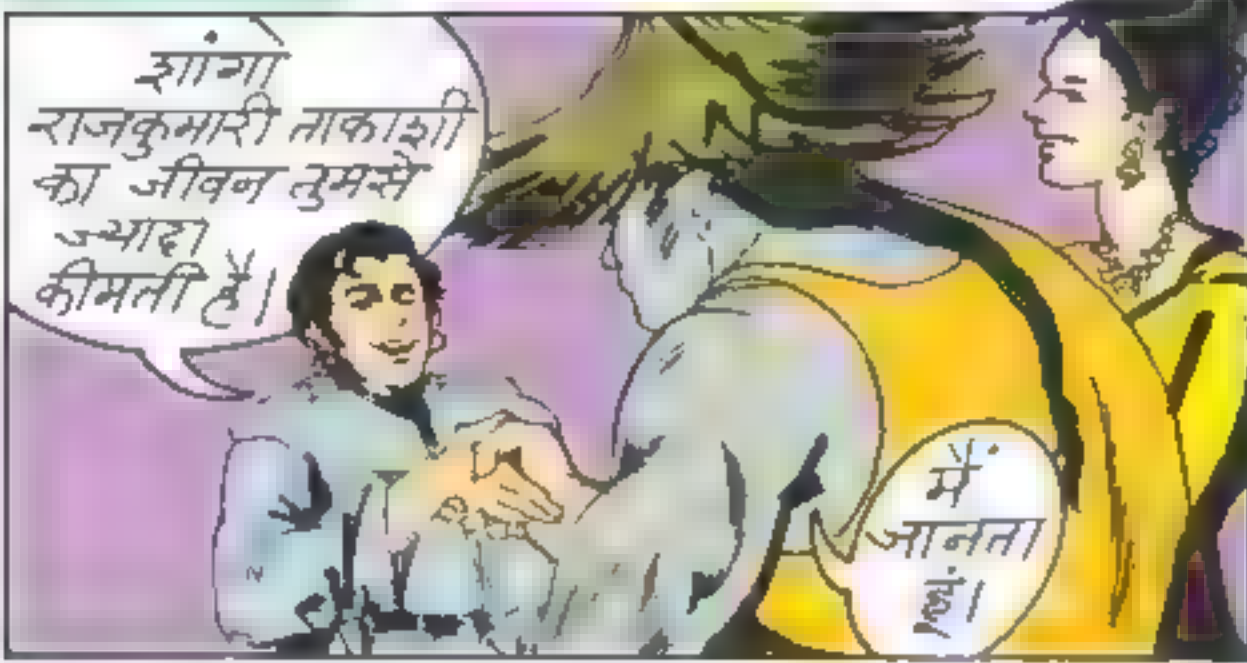
नहीं! वह हजारों नागों का स्वामी है- जो उसके शरीर में सूक्ष्म रूप में मौजूद रहते हैं।



हमने उससे निपटने के लिए एक विशेष ड्रेस बनाई है और यह ड्रेस हमारे आदमी धारण करेंगे।

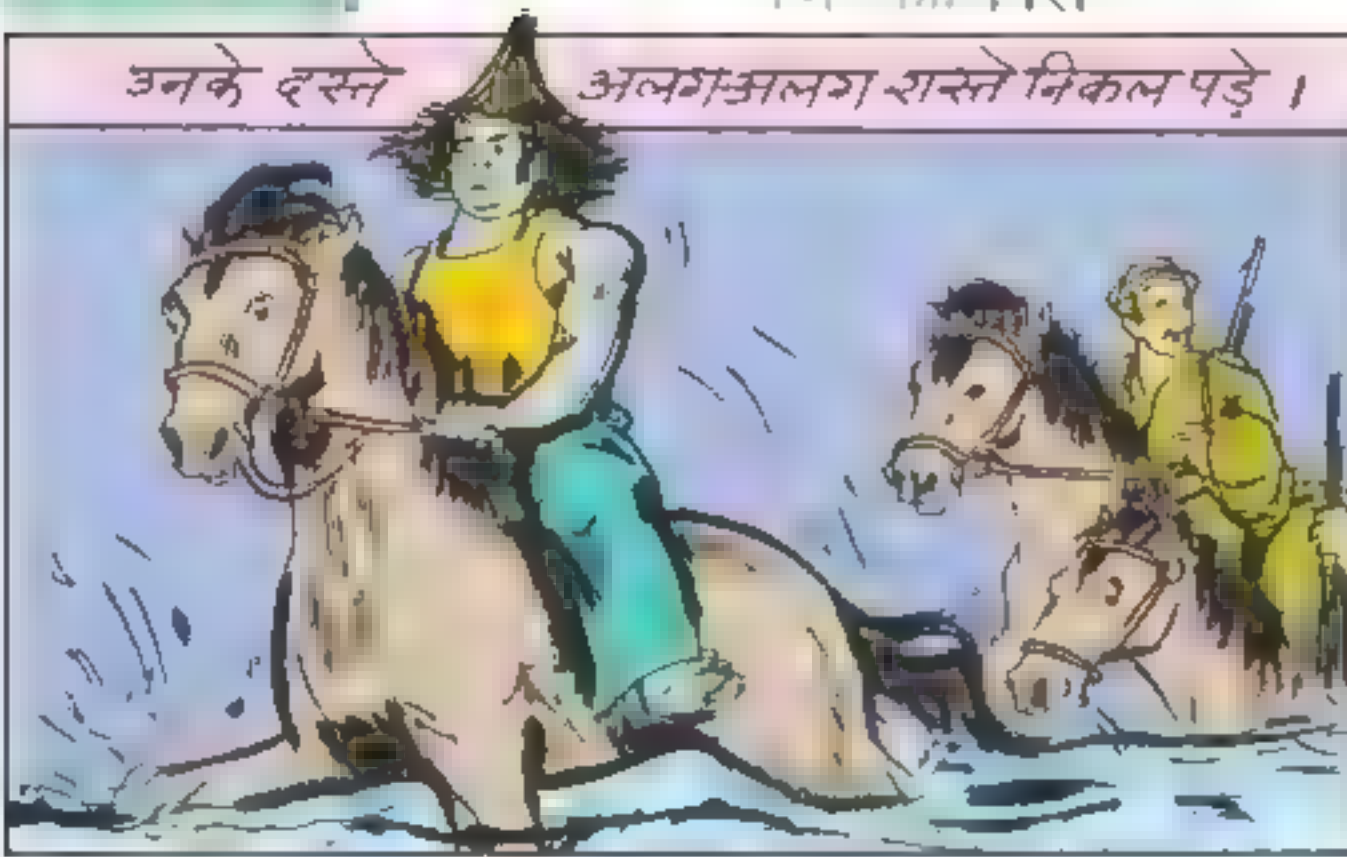






उनके हस्ते

अलग-अलग शस्ते निकल पड़े ।



वॉस! नागराज
जल महल की
झील तक आ
पहुंचा है!

ओह! उसका
इतना साहस!



झील के तट पर चांगो का बोट हाउस था ।

यहां से
मुझे एक बोट
प्राप्त कर लेनी
चाहिए ।



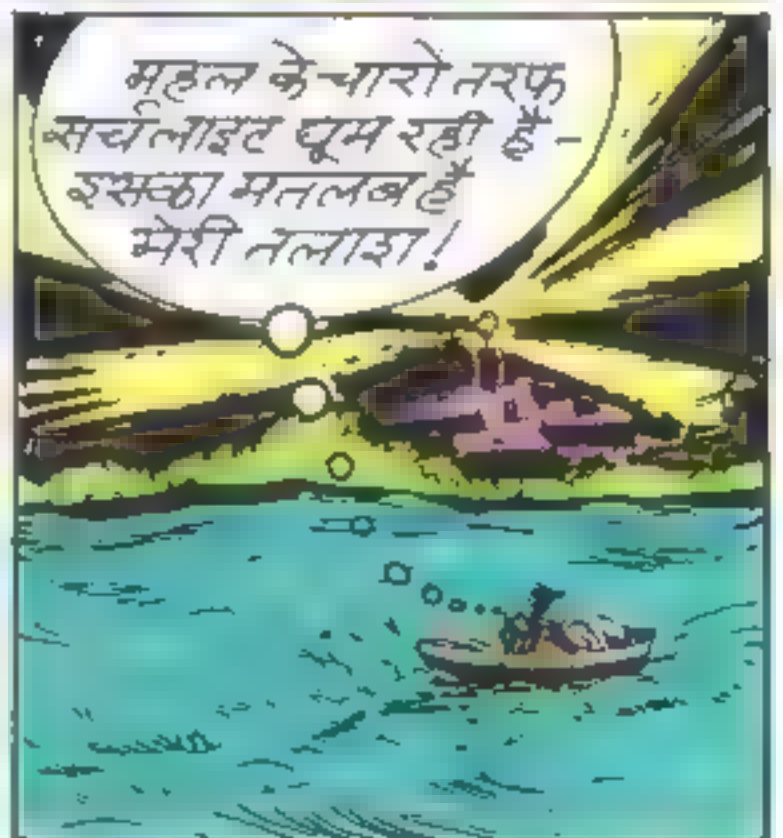
ले कौन है? !
वहीं रुक
जाओ ।

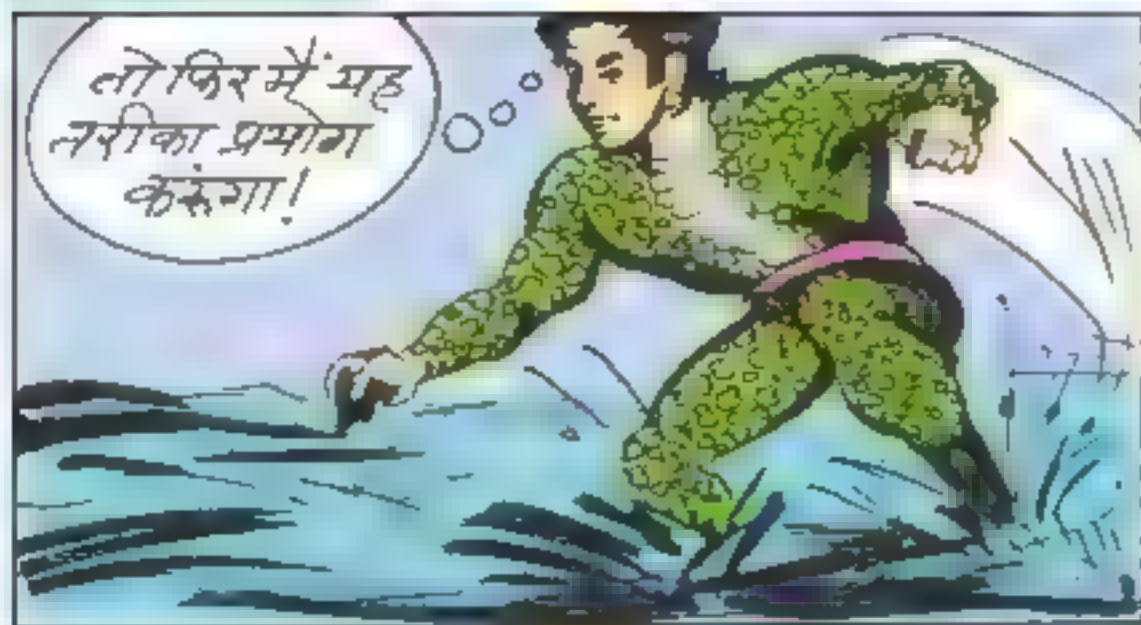


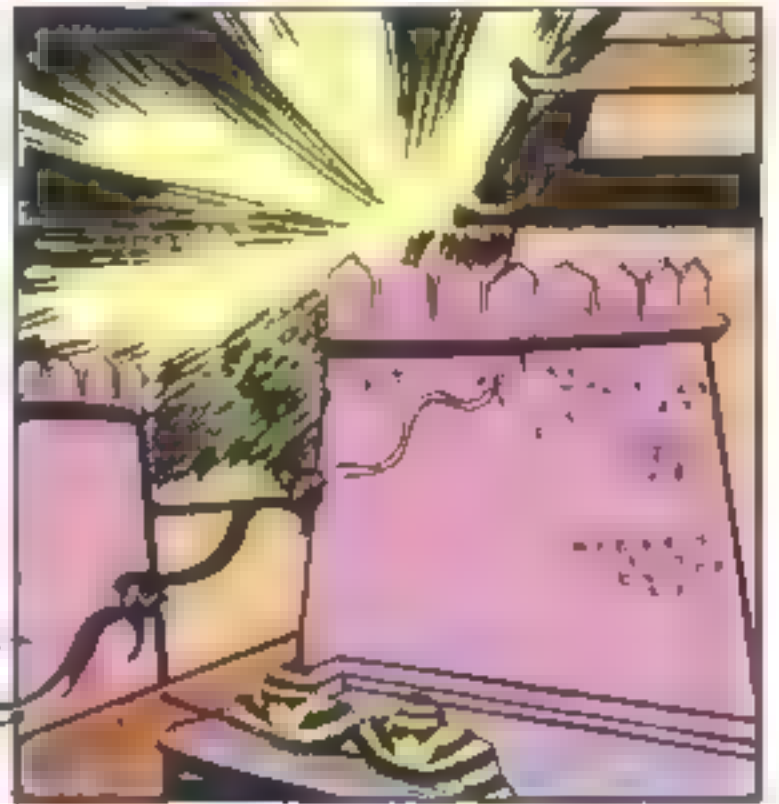
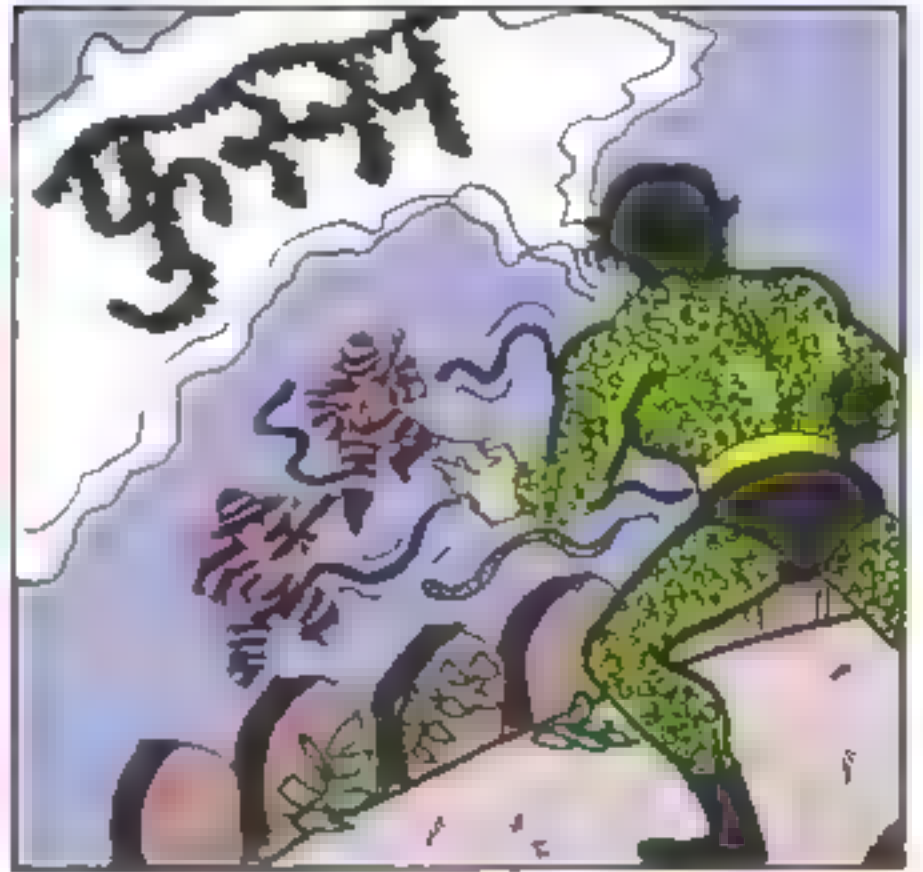
यह बोट हाउस का
गार्ड है मैं इसके
वेड़ा में आगे
बढ़ सकना
हूँ ।

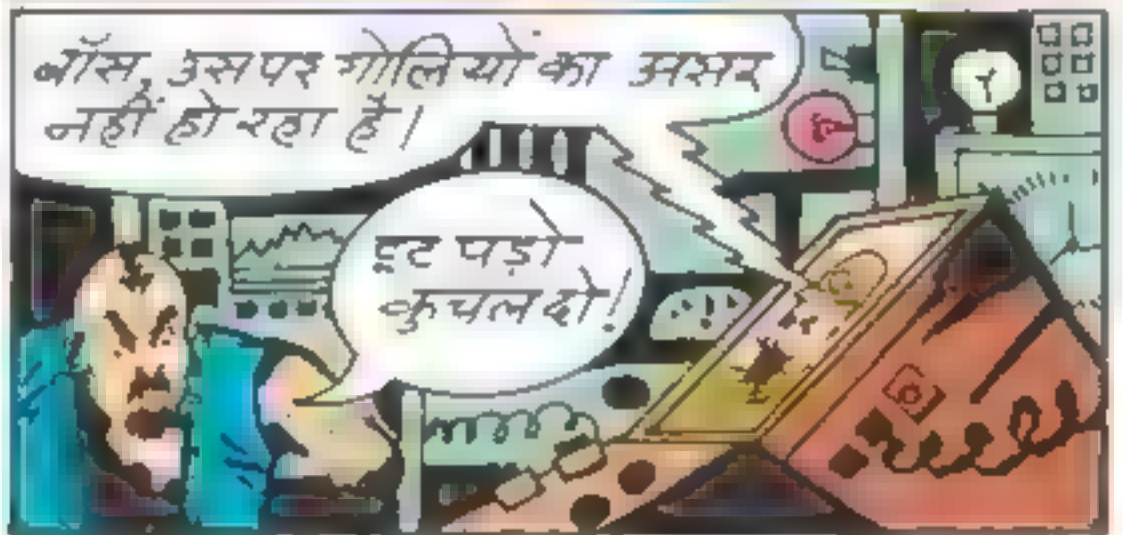
नागराज ने वेड़ा
बदल लिया —



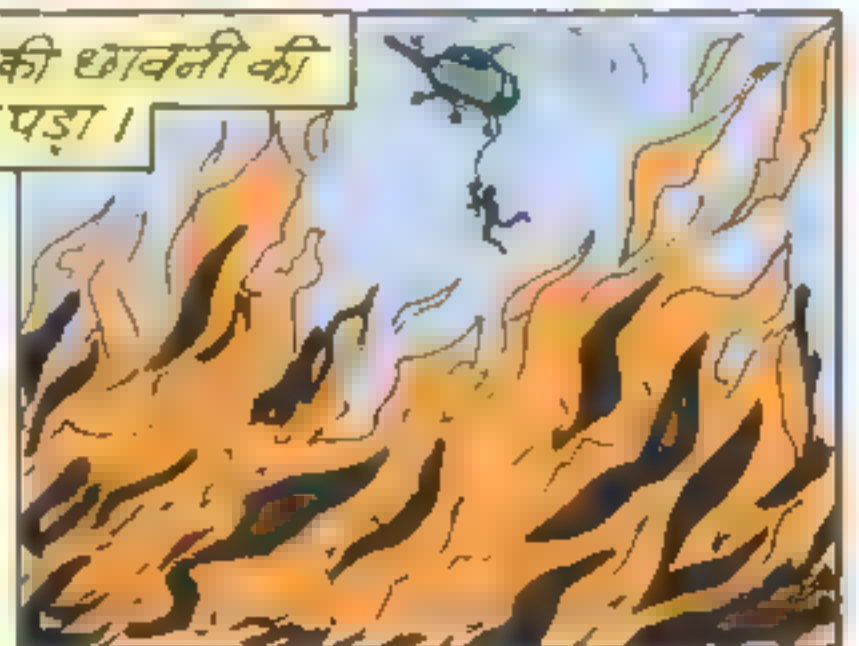
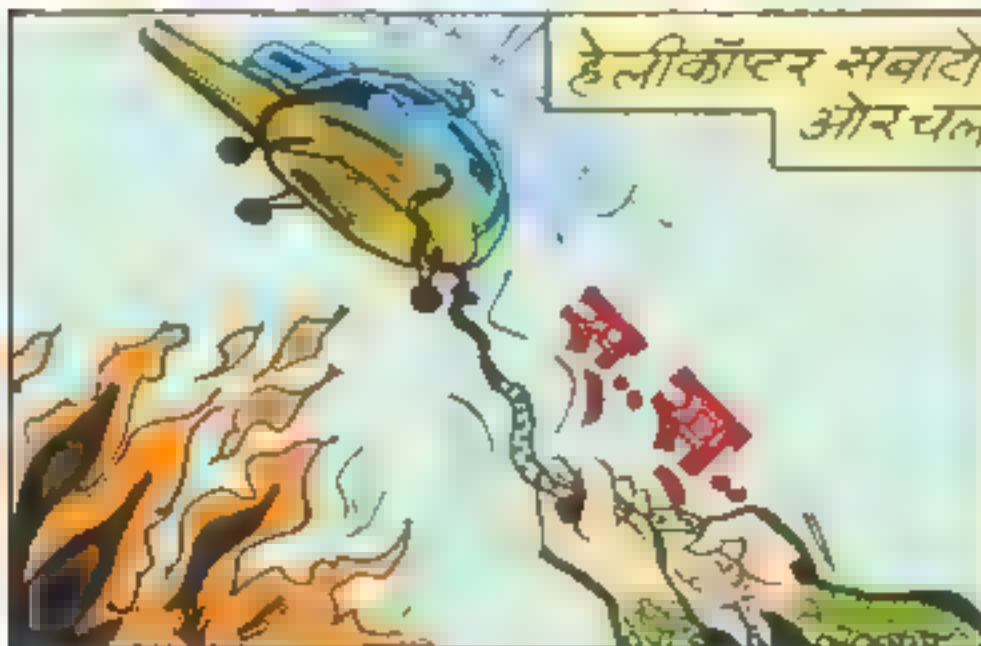












कमांडर सबारो!
मैं चांगो तुम्हारे महल
पर उतरने आ रहा
हूँ।

ठीक है
मार्ग साफ है।

तभी-

नागराज!?

हाँ!
मैं हूँ
नागराज!!

ठाक

ऊर्र

ऊर्र



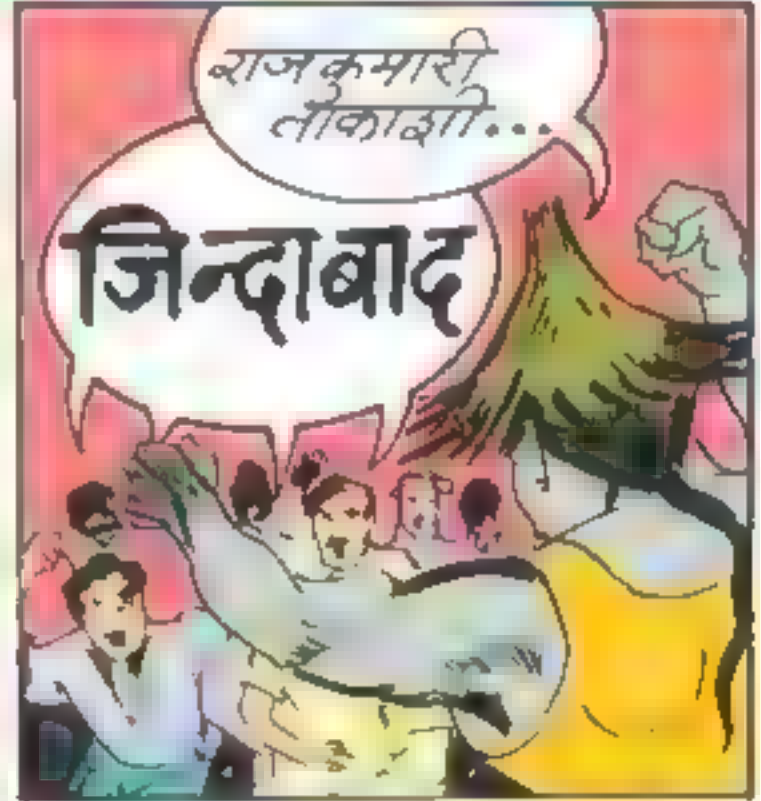
बस, अब तुम कोई गड़बड़ मत करना। चांगो मेरे कब्जे में है।



सवारों की छावनी की तरफ बढ़ते रहो।

उधर सवारों छावनी में-

देख लो, इस देश के वीर जवानों में लाकाही है। इस देश की राजकुमारी और अपने देश की जनता को सवारों के चंगुल में मुक्त कराने आई है।



राजकुमारी लाकाही...

जिन्दाबाद



कमांडर सवारों को सदेश दो... यहां बगावत हो गई है।

ओ.के. कैप्टन!

सवारों क्रोध से पागल हो गया-

हैंकों और नोपों के मुहाने खोल दो... कोई इधर कदम बढ़ाए तो उड़ाकर रख दो।





ताकाशी और शांगो का सैनिक दस्ता सुरंग के रास्ते बढ़ चला...





ऊपर से एक हेलीकॉप्टर भी उतरता दिखवाई दे रहा है।

